Biofactor Agri Digital Brochure

जैव उर्वरकों पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल और उसका उत्तर!

AADHAAR Gold

IINM CHAKRA

G-VAM

N•FACTOR

P.FACTOR

K FACTOR

Zn•FACTOR

NPK

DAP

Potash

PROCEED

PRITHVI

PROMOTE

SUMCA

BELOM FE

KINGK
Potash Derived from Rhodophyte

BELOM-S1

BELOM-S2

BELOM-S3

POSHAK

High•K

ZONCUM

CAMBO

FERRON

MAGNIS

TRUMIN

COPSE

Bsl4 Agri

NUTRI4

Nutriton

Virnix

FLOWMIN

Sampoorna

Agriseal

BOC

INVICTUS

NEMATOFF

RELEAF

Native neem

- **Click the Product Photos to go to the Product Video**
- Click Biofactor logo to go to Product page

हम सभी वसुधा परिवार के अभिन्न सदस्य हैं!

धरती माता के पोषण की हमारी साझा प्रतिबद्धता में, हम सभी इस विस्तारित परिवार के सदस्य हैं, जो आज की कृषि चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान में, कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है, विशेषकर रासायनिक आदानों के क्षेत्र में। नतीजतन, कृत्रिम रसायनों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता में काफी वृद्धि हुई है, कार्बन भार कम हुआ है और मिट्टी की समग्र जीवन शक्ति को लाभ हुआ है। इससे, बदले में, फसल की उपज और पोषण सामग्री में सुधार हुआ है।

हालाँकि, जैसा कि हम अपने और अपने बच्चों दोनों में स्वास्थ्य समस्याओं की बढ़ती व्यापकता को देखते हैं, जो आवश्यक पोषक तत्वों से रहित मिट्टी में उगाई गई फसलों के सेवन से उत्पन्न होती हैं, समाधान खोजना अनिवार्य हो जाता है। इन चिंताओं के जवाब में, हमारा संगठन, बायोफैक्टर इनपुट्स प्राइवेट लिमिटेड, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है।

कृषि और मत्स्य पालन, मुर्गीपालन और पशुपालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ, हम सभी जीवन-समृद्ध जैव उर्वरक और अधिमूल्य श्रेणी जैविक आदानों (निविष्ठा) की एक श्रृंखला के उत्पादन के लिए समर्पित हैं। हमारा उद्देश्य मिट्टी और परिणामस्वरूप, हमारे शरीर और हमारी आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को बहाल करना है। आज, हम पोषक तत्वों से वंचित मिट्टी में उगाए गए उत्पादों की खपत से उत्पन्न होने वाली कई स्वास्थ्य चुनौतियों को देख रहे हैं।

भारत सरकार के तहत वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) द्वारा मान्यता प्राप्त हमारे अनुसंधान और विकास प्रभाग ने आठ नवाचारों और ३५ मालिकाना उपभेदों का सफलतापूर्वक पेटेंट कराया है। विश्व स्तर पर अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करके, हम ऐसे उत्पाद बनाने का प्रयास करते हैं जो विभिन्न फसलों की विशिष्ट पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक माइक्रो असिस्टेंट माइक्रो साइज (एमएएमएस) तकनीक का विकास है, जो माइक्रोबियल एजेंटों को सूक्ष्म आकार के कणों में बदल देती है। यह उन्नत तकनीक पोषक तत्वों के आदान-प्रदान को बढ़ाती है, जिससे इष्टतम विकास और उपज सुनिश्चित होती है।

उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण और उत्कृष्टता की निरंतर खोज के माध्यम से, हमने खुद को वैश्विक कृषि परिदृश्य में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है। हम सभी कृषि मूल्य श्रृंखला में किसानों और अन्य हितधारकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जैसे-जैसे हम अपने वैश्विक पदचिह्न का विकास और विस्तार करना जारी रखते हैं, हम सभी टिकाऊ कृषि, पशुधन खेती और संबद्ध क्षेत्रों के प्रति अपने समर्पण पर दृढ़ रहते हैं। हमारा दृष्टिकोण मृदा स्वास्थ्य और फसल पोषण को बढ़ाने के लिए नए और प्रभावी समाधान पेश करके कृषि उद्योग को फिर से परिभाषित करना है।

आपकी समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं,

लक्ष्मीनारायण रेड्डी

BIOFACTOR

Designed By Nature Delivered By Us

कृषि के उपजाऊ क्षेत्रों में समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित साम्राज्य को नमस्कार! जैसे ही हम जैव उर्वरकों के उत्पादन की विद्वतापूर्ण खोज शुरू करते हैं, हम बायोफैक्टर के क्षेत्र में हार्दिक स्वागत करते हैं।

इस डोमेन के भीतर, हम क्षेत्र की स्थितियों की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं और उत्पादन प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ जांच करते हैं। क्रांतिकारी तकनीकी संकेतों को संश्लेषित किया जाता है, जो स्पष्ट मात्रा प्राप्त करने और उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अच्छी तरह से सूचित प्रयासों को जोड़ता है। जीवन, पृथ्वी का सार और महत्वपूर्ण पोषक श्रेणियां हमारे प्रभुत्व के अंतर्गत आती हैं - एक अविनाशी प्रतिबद्धता द्वारा चिह्नित एक अदम्य और अपरिहार्य नेतृत्व हैं।

पिछले एक दशक के दौरान, हमारे नेतृत्व ने किसानों की समृद्धि बहाल करने के लिए अथक प्रयास किया है। इस यात्रा में प्रत्येक जीत ने हमारे साहस को मजबूत किया है, हर मील के पत्थर को जीतने की तरह, हर चुनौती पर काबू पाने के साथ, हमारे संगठन ने अपने सभी सदस्यों का सम्मान अर्जित किया है।

सभी प्राणियों की ख़ुशी व्यापक हो, और प्रत्येक व्यक्ति की ख़ुशी बढ़े।

जैव उर्वरकों पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल और उसका उत्तर!

1 जैव उर्वरक क्या है?

सूक्ष्मजीवों का मिश्रण जो जीवित हैं और कृषि में महत्वपूर्ण हैं जो की फसलों को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

2 जैव उर्वरकों का उपयोग क्यों करें?

हमारे आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया, डीएपी, सुपर, पोटाश, जिंक सल्फेट और अन्य उर्वरकों में मौजूद पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, जिंक और आयरन) का केवल 25-50% ही पौधे को उपलब्ध होता है। शेष 50-75% पोषक तत्व मिट्टी में तटस्थ अवस्था में रहते हैं। पौधे को इन पोषक तत्वों की आपूर्ति जैव उर्वरकों के माध्यम से ही की जा सकती है।

3 जैव उर्वरकों के उपयोग के क्या लाभ हैं?

पोषक तत्वों की उपलब्धता:

* पोषक तत्वों की उपलब्धता: यह हवा से नाइट्रोजन को आत्मसात करता है और फास्फोरस, पोटाश, जस्ता, लोहा और अन्य पोषक तत्वों को मिट्टी की तटस्थ अवस्था में घोलता है और पौधे को प्रदान करता है। इस प्रकार रासायनिक उर्वरकों का उपयोग 20-25% कम हो जाता है और उपज 15-20% बढ़ जाती है।
* सूक्ष्मजीव पौधों की जड़ों के पास जैव रसायन छोड़ते हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए उपयोगी होते हैं।
* पौधे को जलभराव से होनेवाले नुकसानसे बचाता है। कुछ प्रकार की मृदा जनित बीमारियों को रोकता है।
* अच्छे सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है तथा मिट्टी उपजाऊ बनती है।

4 जैव उर्वरक कितने प्रकार के होते हैं?

* नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणु
* फॉस्फोरस घुलनशील जीवाणू/फफूंद
* पोटाश को गतिशील करनेवाले जीवाणू
* जस्ता और लोहा को घुलनशील करनेवाले जीवाणू.

5 जैव उर्वरकों का उपयोग कैसे करें?

* ठोस जैव उर्वरक बुआई के समय लगाना चाहिए।
* तरल जैवउर्वरक का उपयोग बीज उपचार के लिए किया जा सकता है और इसे बीज रोपण के पहले सप्ताह के दौरान और सिंचाई या ड्रिप सिंचाई के दौरान लगाया जाना चाहिए।
* एंडोफाइटिक सूक्ष्मजीवों वाले जैव उर्वरकों को बीज बोने के बाद पहले सप्ताह के दौरान और सिंचाई या ड्रिप सिंचाई या छिड़काव के दौरान लगाया जाना चाहिए।

6 जैव उर्वरक क्या है?

* मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की वृद्धि के लिए कार्बनिक पदार्थ आवश्यक है। अत: जैव उर्वरकों का प्रयोग करते समय यदि इन्हें जैविक उर्वरकों के साथ मिलाया जाए तो अधिक परिणाम प्राप्त होंगे।
* मिट्टी में नमी की मात्रा पर्याप्त होनी चाहिए।

7 जैव उर्वरकों के प्रयोग में वर्तमान समस्याएँ क्या हैं?

* उच्च तापमान प्रतिरोधी माइक्रोबियल प्रजातियों की अनुपलब्धता।
* नई माइक्रोबियल प्रजातियों की कमी जो हमारे क्षेत्र के अनुकूल स्थिर हो गई हैं।
* रासायनिक उर्वरकों के साथ संयोजन में प्रयोग किये जाने वाले जैव उर्वरकों की कमी।
* सभी प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करने वाले जैव उर्वरक मिश्रण की अनुपलब्धता।
* किसान स्तर पर जैव उर्वरकों के प्रति जागरूकता का अभाव, ग्राम स्तर की उर्वरक दुकानों में जैव उर्वरकों की अनुपलब्धता।

8 बायोफैक्टर के जैव उर्वरकों को क्या खास बनाता है?

* पेटेंट किए गए माइक्रोबियल स्ट्रेन। (सूक्ष्मजीवों की नई नस्लें हमारे क्षेत्र में अनुकूलित हो गईं और उच्च तापमान के लिए अनुकूलित हो गईं)
* पेटेंटयुक्त बायो इनकैप्सुलेशन प्रक्रिया में निर्मित। सभी प्रकार के रासायनिक उर्वरकों के साथ मिलाया जा सकता है।
* प्रमुख एवं सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करने वाले जैव उर्वरकों का मिश्रण।
* सटीक जीवाणु गणना।
* लंबी शेल्फ लाइफ वाले उर्वरक (दो वर्ष तक)।

प्रिय किसानों... जैविक उर्वरकों, जैव उर्वरकों और रासायनिक उर्वरकों के उचित उपयोग का अर्थ है... टिकाऊ, एकीकृत और वैज्ञानिक कृषि की शुरुआत करना और हमारे जीवन में बेहतर दिनों को आमंत्रित करना।

AADHAAR Gold {आधार गोल्ड} | Soil First choice

आधार गोल्ड दानेदार रूप में संपुटित बैक्टीरिया के एक क्रांतिकारी समूह को पेश करता है, जो फसल के खेतों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम सहित आवश्यक पोषक तत्वों का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान करता है। प्रति ग्राम कम से कम ३x१०^{७} बैक्टीरिया होते हैं। यह अत्याधुनिक बायो-एनकैप्सुलेशन तकनीक का उपयोग करके एक पेटेंट विधि से निर्मित हैं, जो स्थिरता और प्रभावकारिता सुनिश्चित करती है।

फ़ायदे:

पोषक तत्व शोषण - हवा से नाइट्रोजन के अवशोषण को सुविधाजनक बनाता है, आसपास की मिट्टी में फास्फोरस और पोटेशियम को पौधों के लिए आसानी से उपलब्ध रूपों में परिवर्तित करता है, जिससे जोरदार विकास को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह फसलों को जल तनाव से सुरक्षा प्रदान करता है।

गुणवत्ता में सुधार - रासायनिक उर्वरक की मात्रा को २० से २५% कम करते हुए गुणवत्ता और उपज को २५ से ३०% बढ़ाता है।

अनुकूलता - बायो-एनकैप्सूलेशन होने की वजह से रासायनिक उर्वरकों के साथ संयोजन में किया जा सकता है। संपूर्ण एवं संतुलित पोषण आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

- ४ किलो प्रति एकड़।
- बुआई के समय या बीज बोने या फसल बोने से पहले लगाएं।
- फसल के मौसम के दौरान एक बार; मध्य मौसम की फसलों के लिए दो बार; और बारहमासी फसलों के लिए साल में २ से ३ बार लगाएं।

: अनुसूची - 3 (जैव उर्वरक)

: जीवाणु खाद संग्रह

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

विशेष संकेत: आधार गोल्ड विशेष रूप से धान, कपास, गन्ना और मिर्च की फसलों के लिए तैयार किया गया है। अन्य फसलों के लिए, आसानी से उपलब्ध फसल-विशिष्ट आधार गोल्ड फॉर्मूलेशन का उपयोग करें।

IINM CHAKRA { आयआयएनएम-चक्र } | Soil First choice

आयआयएनएम-चक्र तरल रूप में संपुटित बैक्टीरियल समूह है, जो हमारे फसल को नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों का एक स्थिर स्रोत प्रदान करता है। तरल रूप में विद्यमान इस नवोन्वेषी जीवाणु संघ में प्रति मिलीलीटर न्यूनतम १.५x१०^{८} बैक्टीरिया शामिल हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से विकसित, इस संघ को खेती में आसान अनुप्रयोग के लिए विशेष रूप से तरल रूप में तैयार किया गया है। तरल फॉर्मूलेशन अत्याधुनिक तरीकों का उपयोग करके तैयार किया गया है, जो स्थिरता और कार्यक्षमता दोनों सुनिश्चित करता है।

फायदे:

वातावरण से नाइट्रोजन एकत्र करता है, फॉस्फोरस, पोटाश और अन्य पोषक तत्वों को तटस्थ अवस्था में घोलता है और उन्हें पौधे को उपलब्ध कराता हैं। अच्छे सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है और मिट्टी उपजाऊ बनती है।रासायनिक खाद की जरूरत को २० से २५% कम करते हुए पैदावार और गुणवत्ता में २५ से ३०% की वृद्धि करता हैं।

: अनुसूची - 3 (जैव उर्वरक)

: तरल संग्रह

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

- २.५ लीटर प्रती एकड़।
- रासायनिक उर्वरकों के पांच दिन पहले या बाद में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से देना चाहिए। शुरुवाती अवस्था में ड्रिप सिंचाई द्वारा देना चाहिए (बुवाई के १० से १५ दिन के अंदर देने से अच्छे परिणाम मिलते हैं)।
- फसल अवधि के दौरान अल्पावधि फसलों के लिए 1 बार; मध्यावधि फसल के लिए 2 बार देना चाहिए; बारहमासी फसलों के लिए वर्ष में 2 या 3 बार।

10Kg & 5Lt

G-VAM {जी-वैम} | Polymicrobial Multi Functional Bio-Fertilizer

जी-वैम, अपनी अत्याधुनिक बायो इनकैप्सुलेशन तकनीक का उपयोग करते हुए बनाया गया हैं| इसमें माइकोराइजा दानेदार और तरल स्वरूप में उपलब्ध है, जो एक महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीव है जो पौधों की जड़ों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों, विशेष रूप से फास्फोरस को कुशलतापूर्वक प्राप्त करने में सक्षम है। यह दाने और तरल पदार्थ पौधों के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में कार्य करते हैं। मात्र एक ग्राम या मिलीलीटर के भीतर, कम से कम ३X१०^{8} माइकोरिज़ल बीजाणु समाहित होते हैं। अत्यधिक प्रभावी बायो एनकैप्सुलेशन (पेटेंट तकनीक) दानेदार और तरल दोनों अवस्थाओं में इन माइकोराइजा वेरिएंट की उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

फ़ायदे:

पोषक तत्व ग्रहण - जी वैम अपने जटिल जड़ नेटवर्क के माध्यम से मिट्टी से फास्फोरस और अन्य पोषक तत्वोंको अवशोषण में काफी सुधार करता है, जिससे फास्फोरस के कम स्तर वाली मिट्टी में भी पौधों की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

माइकोरिज़ल संख्या - माइकोरिज़ल आबादी को बढ़ाता है, पोषक तत्व ग्रहण और समग्र पौधे की जीवन शक्ति को बढ़ाने में योगदान देता है।

मृदा जनित रोगजनकों से सुरक्षा - जी वैम एक ढाल के रूप में कार्य करता है, पौधों को मृदा जनित बीमारियों से बचाता है और परिणामस्वरूप फसलें स्वस्थ होती हैं।

- दानेदार रूप के लिए १० किलोग्राम प्रति एकड़ या तरल रूप के लिए २.५ से ५ लीटर प्रति एकड़।
- **दानेदार रूप -** अंतिम जुताई के दौरान या बीज बोते समय दानों को सीधे मिट्टी में डालें।
  तरल रूप - प्रारंभिक चरण के दौरान, या तो रोपण के समय या उसके तुरंत बाद प्रयोग करें।
- छोटी अवधि की फसलों के लिए, फसल के मौसम के दौरान एक ही बार उपयोग करना पर्याप्त है; लंबी अवधि की फसलों के लिए, सालाना १ से २ बार लगाएं।

FCO **: अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)

: मायकोरायझा

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

दानेदार रूप के लिए, बुवाई करने के चरण के दौरान पूरी तरह से मिट्टीमें मिला कर प्रयोग करें। तरल रूप के लिए, रोपण के दौरान या उसके तुरंत बाद सीधे जड़ों पर लगाएं।

बायोएनकैप्सुलेशन - पेटेंट प्रौद्योगिकी

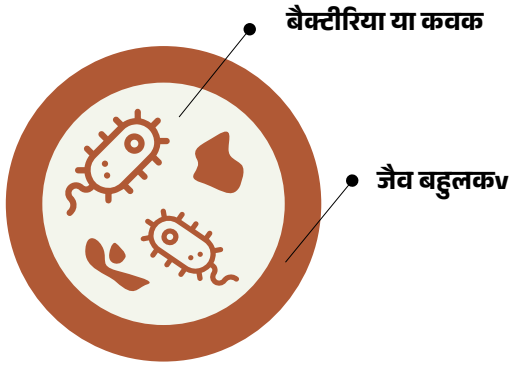

बायोएन्कैप्सुलेशन पद्धत

यह क्यों आवश्यक है?

जैव उर्वरकों के उपयोग में मुख्य समस्या रासायनिक उर्वरकों के साथ संयोजन में उपयोग किये जाने वाले उपयुक्त जैव उर्वरकों की कमी है।

इसका क्या मतलब है?

बैक्टीरिया या कवक जैसे सूक्ष्मजीवों में बायोपॉलिमर कोटिंग होती है।

क्या फायदा?

जब किसान रासायनिक उर्वरकों के साथ बायोफैक्टर के बायो-एनकैप्सुलेटेड जैव उर्वरकों को खेत में डालते हैं, तो बायोपॉलिमर कोटिंग धीरे-धीरे घुल जाती है। रासायनिक उर्वरकों की कम सांद्रता जैव उर्वरकों वाले बैक्टीरिया या कवक को नुकसान नहीं पहुंचाती है।

जैव उर्वरक

N·FACTOR {एन-फैक्टर} | Nitrogen Fixing Bacteria

एन-फैक्टर मुक्त-जीवित या एंडोफाइटिक बैक्टीरिया को संदर्भित करता है जो पर्यावरण में नाइट्रोजन को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक मिलीलीटर तरल में न्यूनतम $1x10^8$ बैक्टीरिया मौजूद होता है। ये बैक्टीरिया, पर्यावरण में विभिन्न एंजाइमों की रिहाई के माध्यम से, वायुमंडलीय नाइट्रोजन (एन 2) को पौधों के लिए तुरंत अवशोषित करने योग्य रूपों जैसे अमोनिया (एनएच 3) या नाइट्रेट (एनओ 3-) में परिवर्तित करते हैं।

फ़ायदे:

* प्रति हेक्टेयर 20 से 40 किलोग्राम नाइट्रोजन को स्थिर करता है, जिससे पौधों के लिए नाइट्रोजन की उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।
* oरासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को 25-30% तक कम कर देता है।
* oऑक्सिन, जिबरेलिक एसिड और साइटोकिनिन के स्राव को उत्तेजित करता है, जिससे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।
* oमिट्टी से पौधों की नमी अवशोषण क्षमता में सुधार होता है, जिसके परिणामस्वरूप वर्षा आधारित क्षेत्रों में फसल की उपज में 10-15% की वृद्धि होती है।

1 लीटर प्रति एकड़

* शुरुआत में, सीडलिंग डिप विधि का उपयोग करके बीज उपचार के माध्यम से आवेदन करें, इसके बाद विकास के बाद के चरणों के दौरान पर्ण छिड़कांव करें।
* मौसम की स्थिति में बदलाव की स्थिति में, पर्ण छिड़कां के माध्यम से 1 लीटर प्रति एकड़ डालें।
* कम अवधि की फसलों के लिए, फसल चक्र के दौरान एक ही प्रयोग की सिफारिश की जाती है।
* मध्य अवधि की फसलों के लिए दो बार प्रयोग करें।
* लंबी अवधि की फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में 2 से 3 बार आवेदन करें।

: अनुसूची - 3 (जैव उर्वरक)

: ऍझोस्पिरिलम

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

P.FACTOR {पी-फैक्टर} | Phosphorus Solubilizing Bacteria

पी-फैक्टर एक तरल जीवित उर्वरक का प्रतिनिधित्व करता है। जो मुक्त-जीवित और एंडोफाइटिक बैक्टीरिया का एक शक्तिशाली मिश्रण है जो मिट्टी में तटस्थ की स्थिति में फास्फोरस को मुक्त करने के लिए तैयार किया गया है। प्रति मिलीलीटर कम से कम $१X१०^{८}$ बैक्टीरिया की क्षमता के साथ होता हैं। यह द्रावण, फॉस्फोरस को घुलनशील बनाने के लिए बैक्टीरिया की प्राकृतिक क्षमताओं का उपयोग करता है। एक बार लगाने के बाद, यह बैक्टीरिया मिट्टी में सहजता से एकीकृत हो जाते हैं, जहां वे जड़ क्षेत्र के भीतर कार्बनिक एसिड और एंजाइमों का एक स्राव छोड़ते हैं। यह गतिशील प्रक्रिया पहले से तटस्थ फॉस्फोरस को घोलने का काम करती है, इसे पौधों के लिए आसानी से उपलब्ध स्वरूप में बदल देती है।

: अनुसूची - 3 (जैव उर्वरक)

: फॉस्फोरस घुलनशील जीवाणु

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

फ़ायदे:

* प्रति हेक्टेयर २५ से ३० किलोग्राम फॉस्फोरस की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर की निर्भरता में २० से २५% की उल्लेखनीय कमी आती है।
* जड़ क्षेत्र में विशिष्ट हार्मोन और जैव-रसायनों के स्राव को उत्तेजित करता है, जिससे पौधों की विकास में वृद्धि होती है।
* फसल की पैदावार में १५ से २०% की वृद्धि के साथ उल्लेखनीय विकास होता हैं, जिससे टिकाऊ और कुशल कृषि पद्धतियों में योगदान होता हैं।

१ लीटर प्रति एकड़।

शुरुवाती अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से प्रयोग शुरू करें, तथा बाद के चरणों में पत्तोंपर छिड़काव करें, जिससे इष्टतम पी-फैक्टर समावेशन सुनिश्चित हो सके। एंडोफाइटिक जीवाणु प्रजातियों का लाभ उठाने के लिए बरसात की स्थिति में छिड़काव के माध्यम से १ लीटर प्रति एकड़ डालें। यह पौधों की जीवन शक्ति बढ़ाने के लिए पत्तियों, कोमल तनों के माध्यम से जीवाणु प्रवेश को सक्षम बनाता है।

कम अवधि की फसलों के लिए, फसल चक्र के दौरान एक बार ही प्रयोग की सिफारिश की जाती है। मध्य अवधि की फसलों के लिए दो बार प्रयोग करें। लंबी अवधि की फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में २ से ३ बार प्रयोग करें।

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

K FACTOR {के- फैक्टर} | Potassium Mobilising Bacteria

के-फैक्टर - पोटेशियम मोबिलाइजिंग बैक्टीरिया:
के-फैक्टर राइजोस्फीयर में मुक्त-जीवित या एंडोफाइटिक बैक्टीरिया को संदर्भित करता है। जो मिट्टी में पोटेशियम जुटाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। एक मिलीलीटर तरल द्रावण में कम से कम १X१०^{8} बैक्टीरिया होते हैं। ये बैक्टीरिया, मिट्टी में प्रवेश करने के बाद, विभिन्न प्रकार के कार्बनिक अम्ल और एंजाइमों को जड़ क्षेत्र में छोड़ते हैं। परिणामस्वरूप, वे पोटेशियम के अवशोषण की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे यह पौधों के लिए अधिक उपलब्ध हो जाता है।

लाभ:

प्रारंभिक चरण से पौधों को पोटेशियम की उपलब्धता में सुधार करता है। मजबूत जड़ विकास, तने और कंद निर्माण को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, यह फूलों और फलों की व्यवस्था को बढ़ाने में योगदान देता है। रासायनिक पोटेशियम उर्वरकों की आवश्यकता को २० से २५% तक कम कर देता है। विभिन्न पौधों के रोगजनकों के खिलाफ विरोधी गुण प्रदर्शित करता है, बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता में योगदान देता है, पौधों की शक्ति और उपज में सुधार करता है।

FCO **: अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)

: पोटेशियम मोबिलाइजिंग बैक्टीरिया

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

१ लीटर प्रति एकड़।

* प्रारंभ में, अंकुरीत पौधे डुबोने की विधि का उपयोग करके या बीज उपचार करें, इसके बाद विकास के चरणों के दौरान पत्तोंपर छिड़कांव करें।
* यदि मौसम की स्थिति में परिवर्तन होता है, तो पत्तोंपर छिड़कांवद्वारा १ लीटर प्रति एकड़ डालें।

छोटी अवधि की फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में एक ही प्रयोग की सिफारिश की जाती है।
मध्य सीज़न की फसलों के लिए, दो बार प्रयोग करें। बारहमासी फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में २ से ३ बार प्रयोग करें।

Zn•FACTOR { जेड एन-फैक्टर } | Zinc Solubilising Bacteria

FCO **: अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)

: ज़िंक सोलुबिलायजिंग बैक्टीरिया

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

जेड एन-फैक्टर - जिंक घुलनशील बैक्टीरिया
जेड एन-फैक्टर राइजोस्फीयर के भीतर मुक्त-जीवित या एंडोफाइटिक बैक्टीरिया का प्रतिनिधित्व करता है। जो मिट्टी में जस्ता के घुलनशीलता में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। एक मिलीलीटर तरल द्रावण में न्यूनतम १X१०^{8} बैक्टीरिया की पहचान की जा सकती है। जब मिट्टी में प्रयोग किया जाता है, तो ये बैक्टीरिया विभिन्न कार्बनिक अम्ल और एंजाइमों को जड़ क्षेत्र में छोड़ते हैं, जिससे जस्ता के घुलनशीलता की सुविधा होती है और पौधों के लिए जस्ता की उपलब्धता बढ़ जाती है।

फ़ायदे:

* प्रारंभिक विकास चरणों से पौधों को जस्ता की उपलब्धता बढ़ाता है। मजबूत जड़ विकास को बढ़ावा देता है तथा तने और कंद के गठन में सुधार करता है। यह फूलों और फलों के जमाव को बढ़ाने में भी योगदान देता है।
* रासायनिक जस्ता उर्वरकों की जरुरत २० से २५% कम हो जाती है।
* विभिन्न पौधों के रोगजनकों के खिलाफ विरोधी गुण प्रदर्शित करता है, जिससे समग्र रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
* कुल जस्ता पोषकतत्व पोषण में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जिससे पौधों की शक्ति और उपज में सुधार होता है।

१ लीटर प्रति एकड़।

* प्रारंभ में, जड़ों को डुबोकर या बीज उपचार के माध्यम से प्रयोग करें, पश्चात् विकास के बाद के चरणों के दौरान पर्ण छिड़कांव करें।
* मौसम की स्थिति में बदलाव के मामले में, पर्ण छिड़कांव के माध्यम से प्रति एकड़ १ लीटर डालें।

कम अवधि की फसलों के लिए, फसल चक्र के दौरान एक ही प्रयोग की सिफारिश की जाती है। मध्य अवधि की फसलों के लिए दो बार प्रयोग करें। लंबी अवधि की फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में २ से ३ बार प्रयोग करें।

जैव उर्वरक

(प्रकार)
(फसल)
(समय)
(प्रयोग की मात्रा)
(अनुसूची)

बायोएनकैप्सुलेशन

FCO : **अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)	FCO : **अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)	FCO : **अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)
: **वाहक संग्रह**	: **वाहक संग्रह**	: **पोटेशियम मोबिलाइजिंग बैक्टीरिया**
: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**	: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**	: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**
: **50 किग्रा/एकड़**	: **50 किग्रा/एकड़**	: **50 किग्रा/एकड़**

: **दानेदार रूप - अंतिम जुताई के दौरान या बीज बोते समय दानों को सीधे मिट्टी में डालें।**

: **फसल अवधि के दौरान अल्पावधि फसलों के लिए १ बार; मध्यावधि फसल के लिए २ बार और लंबी अवधि की फसलों के लिए, प्रति फसल चक्र में २ से ३ बार प्रयोग करनेकी शिफारिश की हैं।**

टिप्पणी: : **बायो-एनकैप्सूलेशन प्रक्रिया द्वारा तैयार किए जाने की वजह से रासायनिक उर्वरकों के साथ संयोजन किया जा सकता है।**

Bio-NPK/ बायो एन.पी.के ट्रिपल एक्शन प्रोग्राम: बायो एन. पी. के ट्रिपल एक्शन प्रोग्राम यह एक नए और स्थानीय रूप से अनुकूलित बैक्टीरिया का एक समुदाय हैं। जो नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश प्रदान करता है। ये दानेदार के रूप में हैं। एक ग्राम दानों में कम से कम ३X१०^{7} बैक्टीरिया होते हैं। हवा से नाइट्रोजन एकत्र करके, फॉस्फोरस, पोटाश और अन्य पोषक तत्वों को जो मिट्टी में तटस्थ अवस्था में होते हैं, घोलकर पौधे को उपलब्ध करा देते हैं। पैदावार और गुणवत्ता में २५ से ३०% की वृद्धि और रासायनिक उर्वरकों की निवेश में २० से २५% की कमी होती हैं।

Bio-DAP/बायो डी.ए.पी. डबल एक्शन प्रोग्राम: बायो डी.ए.पी.डबल एक्शन प्रोग्राम यह एक बैक्टीरिया का एक समूह जो हवा से नाइट्रोजन को स्थिर करता है और मिट्टी में तटस्थ फास्फोरस को घुलनशील बनाता है। ये दानेदार के रूप में होते हैं। एक ग्राम दानों में कम से कम ३X१०^{7} बैक्टीरिया होते हैं। यह बैक्टीरिया हवा से नाइट्रोजन इकट्ठा करके फसलों को देता है। यह मिट्टी में प्रवेश कर जड़ क्षेत्र में कुछ प्रकार के कार्बनिक अम्ल और एंजाइमों का स्राव करता है, जो जमीन में फसलों को नहीं मिलने वाले तटस्थ फास्फोरस को घोलकर फसलों को उपलब्ध कराता है। प्रति एकड़ २५ किलोग्राम नाइट्रोजन और २५ से ३० किलोग्राम फास्फोरस देता है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को २० से २५% तक कम कर देता है।

Bio-Potash/ बायो पोटाश: बायो पोटाश यह जीवाणु प्रजातियों का एक संग्रह हैं जो मिट्टी में तटस्थ पोटाश को गतिशील बनाता है। ये दानेदार के स्वरूप में होता हैं। एक ग्राम दानों में कम से कम ५X१०^{7} बैक्टीरिया होते हैं। यह जीवाणु मिट्टी में प्रवेश करते हैं और जड़ क्षेत्र में कुछ प्रकार के कार्बनिक अम्ल और एंजाइमों का स्राव करते हैं जो पौधों के लिए उपलब्ध नहीं होने वाले पोटाश को गतिशील बनाकर पौधों को उपलब्ध कराते हैं। पौधे को पोटाश की आपूर्ति से फूल और फल के विकास में मदद मिलती है। इस प्रकार फसल की पैदावार १५ से २०% बढ़ जाती है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को २० से २५% तक कम कर देता है। यह पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

Disease-resistant varieties: Choose crop varieties that are naturally resistant to common diseases in your area.

PROCEED { प्रोसीड } | Biotic & Abiotic Stress Relieve

यह एक जैव-उर्वरक बैक्टीरिया समूह का एक तरल रूप है जो पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और पौधे के लिए आवश्यक अन्य पोषक तत्व प्रदान करके मौसम (अजैविक तनाव) और जैविक कारकों (जैविक तनाव) के कारण होने वाले तनाव में मदद कर सकता है। एक मिलीलीटर घोल में कम से कम $1.5X10^8$ बैक्टीरिया होते हैं। बैक्टीरिया के नए उपभेदों की अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके सटीक बैक्टीरिया गिनती प्रदान करने के लिए विशेष रूप से तरल रूप में तैयार किया गया है जो पोषक तत्व प्रदान करता है और पर्यावरण और जैविक तनावों से बचाता है।

लाभ:

* पौधों में जल तनाव सहनशीलता में मदद करता है, जल ग्रहण क्षमता और सभी प्रकार के पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाता है।
* लवणीय मिट्टी में नमक आयन बहिष्कार की सुविधा प्रदान करता है, जिससे लवणता तनाव कम होता है। पोषक तत्वों और सुरक्षा तंत्रों के कुशल अवशोषण से मिट्टी में भारी धातु विषाक्तता कम हो जाती है।

500 मिली/एकड़।

फसल के पहले चरण में (बुआई के 30 दिन के भीतर) छिड़काव करें, जब जलभराव की समस्या हो।

फसल की पहली अवस्था में 1 बार और बाद की अवस्था में आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

FCO : **अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)

: **तरल संग्रह**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

PRITHVI {पृथ्वी} | Liquid Consortium of Biofertilizers

पृथ्वी यह एक तरल रूप में जैव-उर्वरक, बैक्टीरिया का एक जटिल समूह है जो पौधे को आवश्यक नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और अन्य पोषक तत्व प्रदान करते हुए रस-चूसने वाले कीड़ों और कीटों से प्रभावी ढंग से लड़ने की क्षमता रखता है। एक मिलीलीटर घोल में कम से कम $1.5X10^8$ बैक्टीरिया होते हैं।

इस संघ में नई जीवाणु प्रजातियाँ पोषक तत्व प्रदान करती हैं और कुछ प्रकार के जैव रसायन जारी करती हैं। यह कीड़ों को निगलने के तंत्रिका तंत्र को बाधित करता है, जिससे कीड़े मर जाते हैं।

लाभ:

* सभी प्रकार के पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती हैं, पौधों की जड़ें और शक्ति बढ़ती है जिससे उत्पादन और उत्पादकता बढ़ती है।
* रस चूसने वाले कीटों से प्रभावी ढंग से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।
* कम लागत वाला पर्यावरण-अनुकूल और पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत।

1.5- 2.एल/एकड़ (7-10 एमएल/लीटर पानी)।

वनस्पती की पहली अवस्था में (बुवाई के 30 दिन के भीतर)।

फसल की प्रथम अवस्था में 1 बार एवं आवश्यकतानुसार।

FCO : **अनुसूची - 3** (जैव उर्वरक)

: **तरल संग्रह**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

PROMOTE {प्रमोट} | Phosphate Rich Organic Manure

प्रमोट नैनो रूप में फॉस्फोरस से भरपूर एक जैविक उर्वरक हैं और इसमें फॉस्फोरस घुलनशील बैक्टीरिया होते हैं। इसमें कार्बन 10%, फॉस्फोरस 8%, नाइट्रोजन 0.4% और CN 20:1 होता है। यह पौधों को सीधे फास्फोरस प्रदान करता है और फास्फोरस को तटस्थ अवस्था में मिट्टी में घोलकर पौधे को उपलब्ध करा देता है।

लाभ:

* प्रमोट में नैनो रूप में फॉस्फोरस होता है। तो 100% संयंत्र उपयोग होता हैं।
* मिट्टी में सूक्ष्मजीव कार्बनिक पदार्थों के माध्यम से बढ़ते हैं। इस प्रकार पौधे को पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है और मिट्टी स्वस्थ हो जाती है।

- 100 किग्रा/एकड़
- बिजाई में या रोपाई के समय लगाएं।
- फसल मौसम के दौरान छोटी अवधि की फसलों के लिए 1 बार; मध्यावधि फसल के लिए 2 बार प्रयोग करें। बारहमासी फसलों के लिए साल में 2 या 3 बार लगाएं।

FCO **: अनुसूची - 4**
(फल अवस्था)

: फॉस्फेट युक्त जैविक खाद

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

SUMCA { सुमका } | Bio enriched Organic Manure

सुमका यह एक जैविक उर्वरक हैं जिसमें बैक्टीरिया होते हैं जो नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और जस्ता प्रदान करते हैं। इसके जैविक खाद और बैक्टीरिया से जो पोषक तत्व मिट्टी में तटस्थ अवस्था में होते हैं उन पोषक तत्वों को घुलनशील बनाकर पौधों को प्रदान कर सकते हैं। एक ग्राम दानों में ५X१०^{६} बैक्टीरिया होते हैं। कार्बनिक कार्बन १४% है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश सभी मिलाकर तीन प्रतिशत से कम नहीं होता हैं।

फायदे:

* पौधे को जैविक खाद और जैव उर्वरक एक साथ दिया जा सकता है।
* कार्बनिक कार्बन युक्त होने से सूक्ष्मजीवों के विकास में मदद मिलती है। विविध प्रकार मिट्टी में तटस्थ अवस्था में पोषक तत्वों की उपलब्धता भी पौधों को होती है।
* रासायनिक उर्वरोंको का निवेश कम करने के साथ-साथ स्वस्थ फसल और उच्च गुणवत्ता

- 100 किग्रा/एकड़
- बिजाई या रोपाई के समय लगाएं।
- फसल मौसम के दौरान छोटी अवधि की फसलों के लिए 1 बार; मध्यावधि फसल के लिए 2 बार प्रयोग करें। बारहमासी फसलों के लिए साल में 2 या 3 बार लगाएं।

FCO **: अनुसूची - 4**
(फल अवस्था)

: जैव संवर्धित जैविक खाद

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

BELOM FS { बेलोम एफएस } | Magic of minerals

प्रमुख पोषक तत्वों के अलावा, द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्व पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक हैं। बेलोम एफ एस छिड़काव द्वारा सभी विकास चरणों में आवश्यक प्रमुख पोषक तत्व (न्यूनतम 1.2% नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश) और द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करने के लिए एक विशेष रूप से तैयार किया गया जैविक तरल पोषक तत्व मिश्रण हैं।

फायदे:

* शुरुवाती अवस्था में पत्तोपर छिड़काव करने से मजबूत जड़ प्रणाली, अधिक शाखाएँ और स्वस्थ पर्ण वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।
* नवोदित अवस्था के दौरान छिड़काव करने से स्वस्थ नवोदित (अधिक मादा फूल) और अधिक परागण में मदद मिलती है।
* कली अवस्था में अधिक फलियाँ बनने, कम झड़ने, फलियों में भारी बीज और उच्च गुणवत्ता में

500 - 800 मिली/एकड़ (2.5-4.0 मिली/लीटर पानी)।

विकास के सभी चरणों में उपयोग किया जा सकता है।

हर 10-15 दिन में एक बार।

FCO : **अनुसूची - 4**
(फल अवस्था)

: **किण्वित जैविक खाद**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

KINGK { किंग के } | Potash Derivesd from Rhodophytes

Potash Derived from Rhodophytes

किंग के यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण हैं जो रोडोफाइट्स नामक समुद्री शैवाल पौधों से बना हैं, जो कार्बनिक पोटेशियम प्रदान करता है। इसमें 20.0% पोटाश होता हैं। इसमें फसल के पौधों में फूल आने और फल लगने की अवस्था के लिए आवश्यक कैल्शियम, बोरॉन और मैंगनीज भी होता है। MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके इसे तैयार किया गया हैं। जिससे पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग दक्षता में वृद्धि होती हैं

लाभ:

* शुरुवाती अवस्था के दौरान छिड़काव करने से स्वस्थ नवोदित फुटाव, फूल (अधिक मादा फूल) और अधिक परागण तैयार होने में मदद मिलती है।
* फली अवस्था में छिड़काव करने से अधिक फलियाँ बनती हैं, अधिक कटाई होती है, फलियाँ कम गिरती हैं, फलियों में भारी दाने निकलते हैं और गुणवत्ता अधिक होती है।
* कीड़ों और कीटों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

FCO : **अनुसूची - 4**
(फल अवस्था)

: **रोडो फाइट्स से तैयार किया पोटाश**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

छिड़काव के लिए - 500 - 800 मिली/एकड़ (2.5-4.0 मिली/लीटर पानी)।
ड्रिप सिंचाई प्रणाली - 3 लीटर/एकड़।

पौधों को फूल आने के समय, फली बढ़ने और फल लगने की अवस्था के दौरान छिड़काव या ड्रिप सिंचाई द्वारा दें।

छिड़काव या ड्रिप सिंचाई - हर 7-10 दिनों में एक बार।

बेलोम श्रृंखला

: **अनुसूची - 4** (फल अवस्था)	: **अनुसूची - 4** (फल अवस्था)	: **अनुसूची - 4** (फल अवस्था)
: **किण्वित जैविक खाद**	: **किण्वित जैविक खाद**	: **किण्वित जैविक खाद**
: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**	: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**	: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**
: **शाखीय चरण**	: **पुष्पन अवस्था**	: **फल अवस्था**

: **5 लीटर/एकड़ (ड्रिप सिंचाई) - 5 लीटर/एकड़ (छिड़कांव)**

: **हर सात से दस दिन में एक बार**

प्रत्येक विकास चरण में पौधे को सभी प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है लेकिन उनकी खुराक विकास चरण के आधार पर भिन्न होती है। बेलोम श्रृंखला जैविक तरल पोषक तत्वों (विकास चरण के अनुसार विशिष्ट सूक्ष्मपोषक तत्व दिया है) का एक संयोजन है जो विशेष रूप से फसल के विकास चरण के लिए आवश्यक खुराक में प्रमुख पोषक तत्व (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश कम से कम १.२%) और द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

लाभ :

* नए और प्रभावी सूक्ष्म जीवों का उपयोग करके जैविक उर्वरकों के किण्वन से पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है। जिससे पौधों को पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं।
* पोषक तत्वों के उपयोग से क्षमता बढ़ती है और पौधा अपनी आनुवंशिक क्षमता का पूर्ण उपयोग कर पाता है।

बेलोम एस-१: वनस्पतिक वृद्धि के लिए आवश्यक मुख्य पोषकतत्व प्रदान करता है (जैसे की थोडी अधिक मात्रा मे नाइट्रोजन बीच मे तुलना करने पर मध्यम मात्रा मे फॉस्फोरस और पोटाश) और इस चरण के लिए आवश्यक सभी प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व भी योग्य अनुपात में प्रदान करता है (विशेषकर विशिष्ट सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ वानस्पतिक वृद्धि के लिए जो मदद करता है) तरल रूप मे उचित खुराक को दिया जाता है,जो मजबूत जड़ प्रणाली ,अधिक शाखाओं और स्वस्थ पर्ण वृद्धि को बढ़ावा देता है

बेलोम एस-२: पपौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक मुख्य पोषकतत्व प्रदान करता है (जैसे बीच में तुलना करने पर फॉस्फोरस थोड़ा अधिक मात्रा में नाइट्रोजन और पोटाश मध्य मात्रा में) और इस चरण के लिए आवश्यक सभी प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व भी योग्य अनुपात में प्रदान करता है (विशेष रूप से विशिष्ट सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ जो तरल रूप में उचित खुराक में फूल लगाने में मदद करता है) स्वस्थ फूलों को बढ़ावा देता है (अधिक संख्या में मादा फूल लगते हैं) बेहतर कलिया लगती है और अधिक परागण होता है।

बेलोम एस-३: फलों के विकास से लेकर पकने की अवस्था तक के लिए आवश्यक मुख्य पोषक तत्व प्रदान करता है (जैसे की थोड़ी अधिक मात्रा में पोटाश बीच में तुलना करने पर मध्यम मात्रा में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस) और इस चरण के लिए आवश्यक सभी प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व भी योग्य अनुपात में प्रदान करता है (विशेषकर फलों के विकास से लेकर पकने की अवस्था के दौरान) विशिष्ट सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ जो इस चरण के के दौरान तरल रूप में ऊँची खुराक में मदद करता है और अधिक फल्ली निर्माण में योगदान देता है फल्ली का गिरना नहीं होता है फल्ली में दाना अच्छी तरह से भर जाता है विशेष रूप से फलों में शर्करा की मात्रा बढ़ जाती है और स्वयंचलित रूप से उच्च गुणवत्ता मिलती है

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

पोषक लेवल

Level - 1	Level - 2	Level - 3	Level - 4
FCO : अनुसूची - 4 (फल अवस्था)	FCO : अनुसूची - 4 (फल अवस्था)	FCO : अनुसूची - 4 (फल अवस्था)	FCO : अनुसूची - 4 (फल अवस्था)
: किण्वित जैविक खाद	: किण्वित जैविक खाद	: किण्वित जैविक खाद	: किण्वित जैविक खाद
: शाखीय चरण	: पुष्पन अवस्था	: फल अवस्था	: फल और कटाई का चरण

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

2.5-4 लीटर/एकड़ (ड्रिप सिंचाई) - 1.5-2 लीटर/एकड़ (छिड़कांव)

हर चार से सात दिन में एक बार

प्रत्येक विकास चरण में पौधों को सभी प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है लेकिन उनकी खुराक विकास चरण के आधार पर भिन्न होती है। यह पोषक तत्व श्रृंखला (हर विकास चरण में विशिष्ट सूक्ष्मपोषण) एक जैविक तरल पोषक तत्वों का मिश्रण है जो विशेष रूप से फसल के विकास के लिए आवश्यक खुराक में द्वितीय और सूक्ष्म पोषक तत्व और मुख्य पोषक तत्व प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। जब नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे प्रमुख पोषक तत्वों की कमी होती है तो कमी के लक्षण पुराने पत्तियों में अधिक स्पष्ट होते हैं।

फायदे:

* पौधों को पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता।
* पोषक तत्वों के उपयोग की क्षमता बढ़ती है। पौधा उतना ही उत्पादन करेगा जितना वह आनुवंशिक रूप से सक्षम है।

पोषक लेवल १: वनस्पति विकास के विविध चरण मे विशिष्ट पोषकद्रव्य (जैव तरल द्रव्य जिसमें पोषक तत्वों का मिश्रण है) जो सभी प्रकार के प्रमुख पोषक तत्व (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश) प्रदान करते हुए, द्वितीयक पोषक तत्व (कैल्शियम, मैग्नेशियम तथा सल्फर) और अलग ८ सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करते हैं। जो मजबूत जड़ प्रणाली, अधिक शाखाओं और स्वस्थ पर्णवृद्धि को बढ़ावा देता है।

पोषक लेवल २: फूल आने की अवस्था में विशिष्ट सूक्ष्मपोषक (तरल रूप में जो वनस्पति के विकास अनुसार पर्याप्त मात्रा में होते हैं), जो आवश्यक द्वितीयक पोषक तत्व और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करते हैं। जो की स्वस्थ विकास, फूल (अधिक मादा फूल से भरपूर) और अधिक फूल/बोंडिया को बढ़ावा देता है।

पोषक लेवल ३: फल वृद्धि चरण के लिए आवश्यक सभी प्रकार के प्रमुख पोषक तत्व (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश) द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करता है और इस चरण में आवश्यक फल विकास के के लिए विशिष्ट सूक्ष्म पोषकों की आवश्यकता होती है जो की तरल रूप में उचित खुराक में प्रदान करता है। अधिक फूल/बोंडीयाँ बनने में योगदान देता है, फूल/ बोंडिया कम गिरती है, फलियों में अधिकतम दाना भरा जाता हैं और उच्च गुणवत्ता प्राप्त होती है।

पोषक लेवल ४: एक विशिष्ट तरल द्रव्य जो आवश्यक प्रमुख पोषक तत्त्व, माध्यमिक और सूक्ष्म पोषक तत्व फलने और एकाधिक कटाई के चरण में प्रदान करते हैं। अधिक कटाई से फूल/बोंडिया कम गिरती हैं, गठित फलियों में भारी दाने निकलते हैं और गुणवत्ता अधिक होती है।

बायोफैक्टर के रासायनिक उर्वरक

आज कृषि क्षेत्र को पहले से कई अधिक कठोर और अप्रत्याशित मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार, मिट्टी की पोषण क्षमता और सूक्ष्मजीवी आबादी कम हो जाती है। हालाँकि किसान बाज़ार में मिलने वाले पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करते हैं, लेकिन इन पोषक तत्वों के उच्च कण आकार के कारण पौधों की पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग क्षमता कम हो गई है।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए, बायोफैक्टर ने माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज पार्टिकल (एमएएमएस) तकनीक विकसित की है, जो कण को सूक्ष्म आकार देने के लिए जीवाणुओं का उपयोग करती है। इस तकनीक से बने सभी उत्पादों में पोषक तत्वों के कणों का आकार बहुत छोटा होता हैं। इस प्रकार पौधों को पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग क्षमता बढ़ जाती है। वे नियमित उर्वरकों की तुलना में तीन गुना अधिक कार्यक्षमता के साथ काम करते हैं। इसलिए बायोफैक्टर अपने रासायनिक उर्वरकों का कम मात्रा का उपयोग करके अधिक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

एमएएमएसपी तकनिक

जीवाणु → **पोषक कण का बडा आकार** → **पोषक कण का छोटा आकार**

High•K { हाई - के } | Potash Derived From Molasses

हाई-के यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जो गन्ने के खाँड़ से बना पोटेशियम प्रदान करता है। इसमें १४.७% पोटाश के साथ-साथ फूल और फलने की अवस्था के लिए आवश्यक कैल्शियम, बोरान और मैग्नीशियम होता हैं। हाई-के MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रो साइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं। जिससे पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग क्षमता में वृद्धि होती है।

लाभ:

* फूल आने की अवस्था के दौरान छिड़काव करने से स्वस्थ फूलों (अधिक मात्रा में मादा फूल) और अधिक परागीकरण में मदद मिलती है।
* फूल/बोंडी अवस्था में छिड़काव करने से अधिक मात्रा में फूल/बोंडीया बनती हैं।अधिक पैदावार होती है। फूल/बोंडी कम गिरती है।फूल की बोंडी में और बोंडी का फल मे अच्छा रूपांतर होता है।जिससे फलियों में अधिक बीज बनते है।फल मे अधिकतम गुदा तैयार होता हैं और उच्च गुणवत्ता प्राप्त होती है।हाई-के ईस्तमाल करने से फलो मे गुदा और शर्करा की मात्रा काफी बढ़ जाती है।जिसकी वजह से फलों में मिठास, चमक और वजन बढ़ जाता है।
* कीड़ों, कीटों और रोग के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
* पानी के तनाव को झेलने में भी मदद करता है।

छिड़कांव विधि ५०० - ८०० मिली/एकड़ (२.५ - ४.० मिली/लीटर पानी)। ड्रिप सिंचाई प्रणाली - २.५ - ३.० लीटर/एकड़।

पौधों को फूल, फूल/बोंडी बढ़ने और फल लगने की अवस्था के दौरान छिड़काव या ड्रिप सिंचाई द्वारा दें।

छिड़कांव या ड्रिप सिंचाई - हर ७.० - १० दिनों में एक बार।

FCO : **अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: **गुड़ से बना पोटाश**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

ZINCUM { जिंकम } | 12% Zinc E.D.T.A

250 & 500 m.l

जिंकम यह एक जस्ता पोषक तत्व प्रदान करने वाला तरल पोषक तत्व मिश्रण (१२.०% EDTA) हैं। जिंक चिलेट स्वरूप में होता है और जिंक आयनों के साथ स्थिर कॉम्प्लेक्स बनाता है। मिट्टी में अन्य तत्वों के साथ मिश्रित होने पर यह चिलेटेड जिंक तटस्थ नहीं होता है। MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं।

जस्ता के कमी के लक्षण - जस्ता की कमी कोमल पत्तियों में अधिक पाई जाती है। पत्तियाँ पीली होकर धीरे-धीरे भूरी हो जाती हैं। बागवानी फसलों में जस्ता का बहुत महत्व है।

लाभ:

* प्रकाश संश्लेषण, एंजाइमों के उत्पादन और फसल के विकास के लिए आवश्यक हार्मोन (ऑक्सिन साइटोकाईनिन्स) के उत्पादन में मदद करता है।
* एमएएमएस (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज पार्टिकल) तकनीक द्वारा तैयार किया गया हैं। इसलिए समस्याग्रस्त मिट्टी में भी जस्ता पौधों के लिए आसानी से उपलब्ध होता है और उपयोग क्षमता बढ़ जाती है।
* स्वस्थ फूल बनते हैं और ज्यादा मात्रा में पराग उत्पन्न होते हैं। इसके प्रयोगसे उच्च गुणवत्ता

जमिनीद्वारा - २५० से ५०० मिली/एकड़ और छिड़कांव के लिए १.० से १.५ मिली/लीटर पानीका प्रयोग करें।

जस्ता पोषक तत्व की कमी दिखाई देते ही इसे पौधों पर छिड़काव कर देना चाहिए। सभी फसलों पर एक बार अंकुर फूटने की अवस्था में और एक बार फूल आने और फल लगने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए।

जस्ता पोषक तत्व की कमी नजर आते ही इसे १० से १५ दिन में दो बार इस्तेमाल करना चाहिए।

FCO **: अनुसूची - 1** (रासायनिक

: जिंक अनुपूरक (१२.०% EDTA)

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

CAMBO { कॅम्बो } | 20% Di-Sodium Octa Borate

250 & 500 m.l

कॅम्बो यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जो बोरॉन (२०.०%)पोषक तत्व प्रदान करता है। MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं। बागवानी फसलों में बोरॉन का बहुत महत्व है।

बोरॉन कमी के लक्षण - बेल वाली फसलों में मादा फूलों की कम संख्या, पपीते में फलोंसे से दूध निकलना तथा आम और चीकू की फसलों में फलों का फटना और टूटना।

लाभ:

* स्वस्थ प्रजनन अंगों के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाता है।
* फूल आने के दौरान छिड़काव करने से मादा फूल अधिक आएंगे और परागण भी अधिक होगा। इस प्रकार अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।
* फल लगने और कटाई के समय छिड़काव करने से फल पर दरारें पड़ने से बचा जा सकता है,

जमिनीद्वारा - २५० से ५०० मिली/एकड़ और छिड़कांव के लिए १.० से १.५ मिली/लीटर पानीका प्रयोग करें।

बोरॉन पोषक तत्व की कमी दिखाई देते ही इसे पौधों पर छिड़काव कर देना चाहिए। सभी फसलों पर कली अवस्था में एक बार और फूल आने और फल लगने के दौरान हर ३० से ४५ दिनों में एक बार छिड़काव किया जाना चाहिए।

जैसे ही बोरॉन पोषक तत्व की कमी दिखे, इसे २० से ३० दिनों की अवधि में दो बार उपयोग करना चाहिए।

FCO **: अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: बोरोन (२०.०%)

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

FERRON { फेरॉन }

19% Ferrous Sulphate

250 & 500 m.l

फेरॉन लौह पोषक तत्व (१२.०% EDTA) प्रदान करने वाला तरल पोषक तत्व मिश्रण हैं। फेरॉन MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं।

लौह के कमी के लक्षण: लौह की कमी के कारण पत्तियों का हरा रंग ख़त्म हो जाता है और पत्ता सफेद (क्लोरोसिस) हो जाता है और पौधे बौने हो जाते हैं।

लाभ:

* प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक क्लोरोफिल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह पौधों का भोजन बनाने में मदद करता है।
* पौधे में विभिन्न जैविक कार्यों के लिए आवश्यक एंजाइमों के उत्पादन में लौह एक महत्वपूर्ण सह-कारक है। यह एंजाइम पौधों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण, इलेक्ट्रॉन आपूर्ति, डीएनए के संश्लेषण और एंटीऑक्सीडेंट को प्रेरित करने के लिए उपयोगी होते हैं।

- जमिनीद्वारा - २५० से ५०० मिली/एकड़ और छिड़कांव के लिए २.० से २.५ मिली/लीटर पानीका प्रयोग करें।
- लौह पोषक तत्व की कमी नजर आते ही इसे पौधों पर छिड़काव कर देना चाहिए। सभी फसलों पर एक बार अंकुर फूटने की अवस्था में और एक बार फूल आने और फल लगने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए।
- लौह पोषक तत्वों की कमी नजर आते ही इसे १० से १५ दिन में दो बार इस्तेमाल करना चाहिए।

FCO : **अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: **लोहा (१२.०% EDTA)**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

MAGNIS {मैग्निफ़ाय}

9.6% Magnesium Sulphate

250 & 500 m.l

मैग्निफाय यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण हैं जो मैग्नीशियम (९.५%) प्रदान करता है। इसमें मैग्नीशियम के साथ १२.०% सल्फर होता है। MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया है।

मैग्नीशियम के कमी के लक्षण: जब मैग्नीशियम की कमी होती है, तो पत्तियों का मध्य भाग और धीरे धीरे पूरी पत्ती पीली हो जाती है और पत्तियाँ छोटी हो जाती हैं।

लाभ:

* मैग्नीशियम क्लोरोफिल का एक आवश्यक घटक है और प्रकाश संश्लेषण में प्रमुख भूमिका निभाता है।
* पोषक तत्वों के परिवहन में उपयोगी एंजाइमों को उत्तेजित करता है। यह बढ़ते अंगों को मैग्नीशियम के साथ फास्फोरस और आयरन जैसे पोषक तत्वों की आपूर्ति करने में मदद करता

FCO : **अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: **मैग्नीशियम (९.५%)**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

- ५०० मिली/एकड़ (२.५ मिली/लीटर पानी)
- मैग्नीशियम पोषक तत्व की कमी नजर आते ही पौधों पर छिड़काव करें। सभी फसलों पर नवोदित अवस्था में एक बार और फूल आने तथा फल लगने के दौरान हर ३०-४५ दिनों में एक बार छिड़काव किया जाना चाहिए।
- जैसे ही पोषक तत्वों की कमी दिखे, इसे 10-15 दिनों में दो बार उपयोग करना चाहिए।

TRUMIN { ट्रूमीन }

30.5% Manganese Sulphate

500 m.l & 1Ltr

ट्रूमीन यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण जो मैंगनीज (३०.५%) प्रदान करता है। इसे MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं।

मैंगनीज के कमी के लक्षण: पत्तियाँ सिरों से पीली पड़ जाती हैं (क्लोरोसिस) और पौधे बौने हो जाते हैं। कमी अधिक होने पर गहरे भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं और जले हुए दिखाई देते हैं। पत्तियाँ सूख जाती हैं और हाथ लगाने पर चटकने की आवाज करती हैं।

लाभ:

* पौधों में प्रकाश संश्लेषण, श्वसन और नाइट्रोजन चयापचय जैसी प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक एंजाइमों को उत्तेजित करने में मैंगनीज प्रमुख भूमिका निभाता है।
* प्रकाश संश्लेषण के लिए क्लोरोप्लास्ट और जल आपूर्ति में मैंगनीज बहुत महत्वपूर्ण है।

५०० मिली/एकड़ (२.० मिली/लीटर पानी)

मैंगनीज पोषक तत्व की कमी दिखाई देते ही इसे पौधों पर छिड़काव करके देना चाहिए। सभी फसलों पर एक बार अंकुर फूटने की अवस्था में और एक बार फूल आने और फल लगने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए।

मैंगनीज पोषक तत्व की कमी नजर आते ही इसे १० -१५ दिन में दो बार प्रयोग करना चाहिए।

FCO : **अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: **मैंगनीज (30.5%)**

: **सभी फसलों के लिए उपयुक्त**

COPSE { कॉप्से }

24% Copper Sulphate

250 & 500 m.l

कॉप्से यह एक तांबा (२४.० %) से समृद्ध एक तरल पोषक तत्व मिश्रण हैं| इसे एमएएमएस (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रो साइज पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया है।

तांबा के कमी के लक्षण - तांबा के कमी के लक्षण क्लोरोसिस के रूप में प्रकट होते हैं, जिससे पत्तियाँ सिरों से अंदर की ओर पीली हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, पत्तियां मुड़ जाती हैं और विभिन्न आकार धारण कर लेती हैं, जबकि पौधों की समग्र वृद्धि रुक जाती है।

फ़ायदे:

* तांबा पौधों में विविध चयापचय प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण एंजाइमों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये एंजाइम श्वसन और एटीपी उत्पादन में इलेक्ट्रॉन परिवहन की सुविधा प्रदान करता हैं।
* क्लोरोप्लास्ट के भीतर आयरन युक्त प्रोटीन के संश्लेषण के लिए आवश्यक तथा प्रकाश संश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह प्रक्रिया पौधों को भोजन उत्पन्न करने और चयापचय कार्यों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है।

FCO **एफसीओ: अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

प्रकार: कॉपर सल्फेट (२४.०%)

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

५०० मिलीलीटर प्रति एकड़ (२.० मिली/लीटर पानी) की दर से लगाएं।

तांबा पोषक तत्व की कमी दिखने पर तुरंत इस्तेमाल करें। सभी फसलों पर एक छिड़काव नवोदित अवस्था के दौरान और दूसरा छिड़काव नवोदित और बीजारोपण दोनों अवस्थाओं के दौरान करें।

इष्टतम प्रभावशीलता के लिए, पोषण की कमी के लक्षण पाए जाने पर तुरंत १० - १५ दिनों के अंतराल में दो बार कॉप्से का उपयोग करें।

Bsl4 Agri {बी एस एल ४}

A Novel Product for Viral diaease

500 m.l & 1Ltr

बी एस एल ४ यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जो तांबा (२४.०%) प्रदान करता है। इसमें तांबे के साथ चांदी भी शामिल है। यह MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किए जाने के कारण वे आकार में बेहद छोटे हैं। इस प्रकार तांबा और चांदी फंगस, वायरस और बैक्टीरिया के विकास को कम करने में प्रभावी हैं।

यह तांबा और चांदी (सूक्ष्म आकार के कण) के जहरीले आयन उत्सर्जित करते हैं जो वायरस और बैक्टीरिया के त्वचा में प्रवेश करते हैं और उन्हें नष्ट कर देते हैं। इसके अलावा, वे पौधों पर अपना प्रतिरोध कम कर देते हैं।

फ़ायदे:

* तांबा पौधों में विभिन्न चयापचयों के लिए आवश्यक एंजाइमों के उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाता है। ये एंजाइम श्वसन में इलेक्ट्रॉनों के परिवहन और एटीपी के उत्पादन में मदद करता हैं।
* पौधे को वायरस और जीवाणु रोगों से बचाता है। बी एस एल ४ का छिड़काव रोग पैदा करने वाले कवक के विकास को रोकता है और पौधों को उनसे बचाता है।

- १ लीटर/एकड़ (२.० मिली/लीटर पानी)
- वायरस या बीमारी दिखते ही छिड़काव करें।
- बी एस एल ४ इसे ७ - १० दिनों में दो बार इस्तेमाल करना चाहिए।

FCO **: अनुसूची - 1** (रासायनिक उर्वरक)

: तांबा (24.0%)

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

ड्रॉप विधि - तरल पोषक तत्व प्रदान करना

इसका क्या मतलब है?
खेत की सिंचाई की वह विधि जिसमें पानी के पाइप या नहर के पास पोषक तत्वों के घोल को बूंद-बूंद करके गिराया जाता है, बूंद विधि कहलाती है।

क्या फायदा?
गैर-ड्रिप किसान मिट्टी के माध्यम से तरल पोषक तत्व लागू नहीं कर सकते हैं। ऐसे समय में, पोषक तत्व का घोल पूरे खेत में समान रूप से तब तक पहुंचता है जब तक कि इसे ड्रॉप मोड में प्रदान करके खेत में पानी न डाला जाए।

NUTRI4 {न्यूट्री- ४ } | Formula 4

यह एक तरल सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें जस्ता ६%, लोहा ४%, मैंगनीज ३%, बोरॉन २%, तांबा १% और मोलिब्डेनम ०.०५% होता है। इसे MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं।

वर्तमान समय में किसान मिश्र उर्वरकोंका एवं डीएपी का प्रयोग अधिक कर रहे हैं। सूक्ष्म पोषक तत्वों की खपत बहुत कम है। इससे मिट्टी में फास्फोरस की मात्रा बढ़ जाती है और निचली पत्तियों से ऊपरी पत्तियों तक सूक्ष्म पोषक तत्वों की आपूर्ति बाधित हो जाती है। इसलिए, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण युवा पत्तियों में अधिक आम हैं। (पत्तियाँ सिरों से पीली हो जाती हैं (क्लोरोसिस), पौधे छोटे हो जाते हैं और जब कमी गंभीर होती है, तो गहरे भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं और जले हुए दिखाई देते हैं। पत्तियाँ सूखी होती हैं और तोड़ने पर चटकने की आवाज आती हैं।)

500 m.l & 1Ltr

: सूत्र-4

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

फायदे:

* सभी प्रकार की फसलों में विकास के सभी चरणों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को प्रभावी ढंग से रोकता हैं।
* सभी प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्वों को नैनो (छोटे) रूप में (एमएएमएस तकनीक) रखने से उपयोग क्षमता बढ़ती है जिसे पौधे द्वारा जल्दी से अवशोषित किया जाता है।
* स्वस्थ पर्ण वृद्धि, उच्च कवरेज, मजबूत फल सेट और उच्च गुणवत्ता वाली उपज प्राप्त होता हैं।

जमिनीद्वारा ५०० मिली/एकड़ (छिड़कांव - २.५ मिली/लीटर पानी)

जैसे ही सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दिखे, इसका छिड़काव करके पौधों पर लगाना चाहिए। सभी फसलों पर एक बार अंकुर फूटने की अवस्था में और एक बार फूल आने और फल लगने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए। सब्जी की फसलों में हर १५ दिन में छिड़काव करने से बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।

जैसे ही सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दिखे, इसे १० से १५ दिनों में दो बार उपयोग करना चाहिए।

Nutriton {न्यूट्रीटन} | Formula 6

300 m.l + 300 m.l

: सूत्र-6

: सभी फसलों के लिए उपयुक्त

यह एक तरल सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण हैं जिसमें जस्ता ५%, लोहा २%, मैंगनीज २% और बोरॉन ०.५% होता हैं। इसे MAMS (माइक्रोब असिस्टेड माइक्रोसाइज़ पार्टिकल) तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया हैं।

पौधों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की अधिक संभावना होती है क्योंकि किसान व्यापक पोषण प्रथाओं का पालन नहीं करते हैं। इसलिए पौधे कीड़े या वायरस जैसे कीटों से प्रभावित हो जाते हैं। ऐसे समय में पौधों को कम समय में उच्च उपयोगी क्षमता वाले सारे सूक्ष्म पोषक तत्व देकर उसकी ताकत फिर से बढ़ा देता है और वायरस जैसे कीटों से लड़ता है। न्यूट्रीटन उसके लिए तैयार किया गया हैं।

फायदे:

* वायरस से संक्रमित होने पर सभी प्रकार की फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।
* सभी प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व छोटे कणों के आकार (एमएएमएस तकनीक) में होने से उपयोग क्षमता बढ़ जाती है, जिन्हें पौधे द्वारा जल्दी से अवशोषित किया जा सकता है।
* व्यापक सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करने से स्वस्थ पर्ण वृद्धि, अधिक पर्णसंभार, मजबूत फल/

जमिनीद्वारा ३०० मिली/एकड़ (छिड़कांव १.५ मिली/लीटर पानी)

जैसे ही सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दिखे, इसका पौधों पर छिड़काव करना चाहिए। सभी फसलों पर एक बार अंकुर फूटने की अवस्था में और एक बार फूल आने और फल लगने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए। सब्जी की फसलों में हर १५ दिन में छिड़काव करने से बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।

जैसे ही सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दिखे, इसे १० से १५ दिनों में दो बार उपयोग करना चाहिए।

नोट: न्यूट्रीटन खरीदें वर्निक्स निःशुल्क प्राप्त करें।.

FLOWMIN { फ़्लोमिन } | Specially designed for drip irrigation

: अनुसूची - 1 (रासायनिक उर्वरक) : तरल उर्वरक : सभी फसलों के लिए उपयुक्त : 5 & 15 लीटर

फ़्लोमिन श्रृंखला एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जो विशेष रूप से ड्रिप सिंचाई के लिए तैयार कि गई है जिसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे प्राथमिक, दुय्यम और सूक्ष्म पोषक तत्व उचित मात्रा में होते हैं। यह पोषक तत्व बहुत छोटे (नैनो) कणों के आकार में होते हैं, इसलिए ड्रिप सिंचाई के माध्यम से लगाने पर वे आसानी से जड़ के ऊतकों तक पहुंच जाते हैं और पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग क्षमता बढ़ जाती है।

यह नाइट्रोजन (८%), फास्फोरस (८%) और पोटाश (८%) के समान अनुपात में तरल पोषक तत्वों का मिश्रण हैं। यह पौधे को उत्तम स्वास्थ्य के साथ बढ़ने में मदद करता है। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से फसल की प्रारंभिक अवस्था में मजबूत जड़ प्रणाली, अधिक शाखाओं और स्वस्थ वृद्धि में मदद करता हैं।

& प्रयोग की मात्रा और समय - फसल की शुरुआती अवस्था में २.५ से ५.० लीटर/एकड़ को हर ४ से ५ दिन में एक बार ड्रिप सिंचाई के माध्यम से जमीन में डालना चाहिए। गन्ने की फसल में एक महत्वपूर्ण प्रभाव कारक के रूप में कार्य करता है।

०८-०८-०८

११-११-०८

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (११%), फास्फोरस (११%), पोटाश (८%), जस्ता (०.७%) और बोरान (०.५ - ०.७%) हैं। फसल की वानस्पतिक और फूल अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से प्रयोग करने से स्वस्थ फूल (ज्यादातर मादा फूल) और अधिक परागण पैदा करने में मदद मिलती है।

& फसल की वानस्पतिक और फूल अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर ४ से ५ दिन में एक बार २.५ से ५.० लीटर/एकड़ की दर से प्रयोग करना चाहिए।

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (६%), फॉस्फोरस (०%), पोटाश (१८%) और कैल्शियम (५%), मैग्नीशियम (२%) और बोरान (०.५ - ०.८%)हैं। फल लगने और बढ़ने के चरण में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से प्रयोग करनेसे अधिक फल/फली बनने, अधिक उपज, कम फल/फली गिरने, फल/फली में भारी बीज और उच्च गुणवत्ता में योगदान होता है।

& फसल की फल लगने और बढ़ने की अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर ४ से ५ दिन में एक बार २.५ से ५.० लीटर/एकड़ की दर से प्रयोग करना चाहिए।

०६-००-१८

CANMAG {फ़्लोमिन कैनमैग}

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (१०%), नाइट्रेट नाइट्रोजन (८.५%), कैल्शियम (१५%) और मैग्नीशियम (२%) बोरॉन (०.५ - ०.८%) होता है। बढ़ोत्तरी और फ़ल की अवस्था में ड्रिप सिंचाई द्वारा कैनमैग का उपयोग करनेसे फ़ल/फली के रंग, बीज के वजन और उच्च गुणवत्ता में योगदान देता है। फल फटना कम करता हैं।

& बढ़ोत्तरी और फ़ल की अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर ४ से ५ दिन में एक बार २.५ से ५.० लीटर/एकड़ की दर से प्रयोग करना चाहिए।

Sampoorna {सम्पूर्णा}

Specially designed for foliar Nutrigation

FCO : अनुसूची - 1 (रासायनिक उर्वरक) | : तरल उर्वरक | : सभी फसलों के लिए उपयुक्त | : 1 लीटर

सम्पूर्णा यह एक छिड़कांव के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए तरल पोषक तत्व मिश्रणों की पूरी श्रृंखला हैं जिसमें उचित मात्रा में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे प्राथमिक और द्वितीय तथा सूक्ष्म पोषक पोषक तत्व शामिल होते हैं। पोषक तत्व के कण आकार में बहुत छोटे होते हैं, इसलिए छिड़कांव द्वारा लगाए जाने पर वे आसानी से पत्ती के ऊतकों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए पोषक तत्वों की उपलब्धता और उपयोग क्षमता बढ़ जाती है।

यह नाइट्रोजन (८%), फास्फोरस (८%) और पोटाश (८%) के समान अनुपात में तरल पोषक तत्वों का मिश्रण हैं। यह पौधे को उत्तम स्वास्थ्य के साथ बढ़ने में मदद करता है। प्रारंभिक चरण में छिड़काव करने से मजबूत जड़ प्रणाली, अधिक शाखाओं और स्वस्थ वृद्धि में मदद करता हैं।

& फसल के शुरुवाती अवस्था में हर ७ से १० दिनों में एक बार १.५ से २.० लीटर/एकड़ का छिड़काव करें।

०८-०८-०८

११-११-०८

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (११%), फास्फोरस (११%), पोटाश (८%), जस्ता (०.७%) और बोरान (०.५ - ०.७%) हैं। फसल की वानस्पतिक और फूल अवस्था में छिड़कांव के माध्यम से प्रयोग करने से स्वस्थ फूल (ज्यादातर मादा फूल) और अधिक परागण पैदा करने में मदद मिलती है।

& फसल की वानस्पतिक और फूल अवस्था में हर ७ से १० दिनों में एक बार १.५ से २.० लीटर/एकड़ का छिड़काव करें।

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (६%), फॉस्फोरस (०%), पोटाश (१८%) और कैल्शियम (५%), मैग्नीशियम (२%) और बोरान (०.५ - ०.८%) हैं। फल लगने और बढ़ने के चरण में छिड़कांव के माध्यम से प्रयोग करनेसे अधिक फल/फली बनने, अधिक उपज, कम फल/फली गिरने, फल/फली में भारी बीज और उच्च गुणवत्ता में योगदान होता है।

& फसल की फल लगने और बढ़ने की अवस्था में हर ७ से १० दिनों में एक बार १.५ से २.० लीटर/एकड़ का छिड़काव करें।

०६-००-१८

CANMAG {फ़्लोमिन कैनमैग}

यह एक तरल पोषक तत्व मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन (१०%), नाइट्रेट नाइट्रोजन (८.५%), कैल्शियम (१५%) और मैग्नीशियम (२%) बोरॉन (०.५ - ०.८%) होता है। बढ़ोत्तरी और फ़ल की अवस्था में ड्रिप सिंचाई द्वारा कैनमैग का उपयोग करनेसे फ़ल/फली के रंग, बीज के वजन और उच्च गुणवत्ता में योगदान देता है। फल फटना कम करता हैं।

& बढ़ोत्तरी और फ़ल की अवस्था में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर ४ से ५ दिन में एक बार २.५ से ५.० लीटर/एकड़ की दर से प्रयोग करना चाहिए।

Agriseal {ऍग्रीसील } | A Novel Product for Stress Management

ऍग्रीसील पौधों में तनाव को कम करने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करके विशेष रूप से तैयार किया गया एक तरल मिश्रण है। विटामिन सी, अमीनो एसिड, सेलेनियम, सिलिका और समुद्री शैवाल से समृद्ध, यह फॉर्मूलेशन फसलों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न तनावों को कम करने में एक मूल्यवान सहायता के रूप में कार्य करता है, जिसमें सूखा, गर्मी, ठंड और लवणता जैसे जलवायु संबंधी तनावों के साथ-साथ जैविक तनाव भी शामिल हैं।

250, 500 m.l & 1 Ltr

फायदे:

* पौधों को विभिन्न प्रकार के तनावों से निपटने में मदद करता है, जिसमें सूखा, गर्मी, ठंड और लवणता जैसे जलवायु तनाव और जैविक तनाव (जैसे कीट और रोग) शामिल हैं।
* कार्बोहाइड्रेट के चयापचय और न्यूक्लिक एसिड के संश्लेषण सहित पौधों में विभिन्न चयापचय प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है और पौधों के विकास और तनाव के प्रतिरोध को बढ़ाता है।

छिड़कांव द्वारा ५०० मिली/एकड़ (२.५ मिली/लीटर पानी)। ड्रिप सिंचाई प्रणाली द्वारा १ लीटर/एकड़।

एक बार जलभराव के दौरान और एक बार फूल, फल लगने और भारी फसल के दौरान।

२५०, ५०० मिली और १ लीटर।

B C { बीओसी } | A Novel Product for Organic Carbon

बीओसी - एक क्रांतिकारी जैव-कार्बनिक कार्बन उत्पाद हैं। बीओसी एक विशेष रूप से तैयार किया गया कार्बनिक कार्बन मिश्रण है जो माइक्रोबियल और पौधों के अवशेषों से प्राप्त होता है। मृदा कार्बनिक कार्बन मिट्टी के घटकों, संरचना वृद्धि और पोषक तत्वों की उपलब्धता में महत्वपूर्ण है।

5 Ltr

फायदे :

* लक्षित पोषक तत्व प्रावधान - फसल के विकास चरणों के अनुरूप नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश सहित आवश्यक पोषक तत्वों के वितरण की सुविधा प्रदान करता है, जिससे पौधों का इष्टतम पोषण सुनिश्चित होता है।
* उन्नत जल धारण - कार्बनिक पदार्थों से समृद्ध मिट्टी बेहतर जल धारण क्षमता प्रदर्शित करती है, प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान पौधों की सुरक्षा करती है।
* माइक्रोबियल पोषक तत्व प्रसंस्करण - कार्बनिक कार्बन मिट्टी के सूक्ष्मजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक स्रोत के रूप में कार्य करता है। ये सूक्ष्मजीव, बदले में, मिट्टी की तटस्थ अवस्था में पोषक तत्वों को घुलनशील बनाते हैं, और उन्हें प्रभावी ढंग से पौधों में वापस कर देते हैं।
* समग्र फसल कल्याण - मिट्टी में पोषक तत्वों के स्तर और माइक्रोबियल गतिविधि दोनों को बढ़ाकर, यह दृष्टिकोण मजबूत फसल स्वास्थ्य और पर्याप्त पैदावार को बढ़ावा देता है।

५ लीटर/एकड़।

फसल वृद्धि के प्रारंभिक चरण के दौरान ड्रिप सिंचाई या ड्रॉप विधि के माध्यम से आवेदन करें।

छोटी और मध्यम अवधि की फसलों में एक बार। यदि यह वही बागवानी फसल है तो इसे हर छह महीने में एक बार दिया जाना चाहिए।

INVICTUS { इनविक्टस }

A Novel Product for Soil born diseases

इनविक्टस - मिट्टी से पैदा होने वाली बीमारियों के लिए एक नया उत्पाद।

यह एक मिश्रण हैं जिसमें ट्राइकोडर्मा विरिडे या ट्राइकोडर्मा हर्ज़ियानम या स्यूडोमोनस फ़्लोरेसेन्स जैसे जैविक नियंत्रक होते हैं। कृषि और बागवानी फसलों की विभिन्न मृदा जनित और वायु जनित बीमारियों को नियंत्रित करने में प्रभावी हैं। इसके लिए इनविक्टस का उपयोग जैविक नियामक के रूप में किया जाता है।

ये जीवित कवक या बैक्टीरिया कुछ एंजाइमों और द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का उत्पादन करके फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कवक के विकास को नियंत्रित करते हैं। इनविक्टस का उत्पादन तीन प्रकार से किया जाता था।

इनविक्टस १:

ट्राइकोडर्मा विरिडे युक्त एक जीवित कवक मिश्रण हैं। एक ग्राम में कम से कम (CFU) २X१०^{6} कवक और माइसेलियल टुकड़े होते हैं। कृषि और बागवानी फसलों में जड़ सड़न (राइजोक्टोनिया सोलानी, फ्यूझारियम और पाइथियम), मिट्टी से होने वाली बीमारियों (स्काइरोसिया, फाइटोफ्थेरा और वर्टिसिलियम), डैम्पिंग ऑफ और अल्टरनेरिया, कोलेट्रोट्रिकम और सर्कोस्पोरा जैसे अन्य फंगल रोगों को नियंत्रित कर सकता है।

इनविक्टस २:

यह एक जीवित कवक मिश्रण हैं जिसमें ट्राइकोडर्मा हर्ज़ियानम होता है। एक ग्राम में कम से कम (CFU) २X१०^{6} कवक और माइसेलियल टुकड़े होते हैं। कृषि और बागवानी फसलों में जड़ सड़न (राइजोक्टोनिया सोलानी, फ्यूझारियम और पाइथियम), मिट्टी से होने वाली बीमारियों (स्काइरोसिया, फाइटोफ्थेरा और वर्टिसिलियम), डैम्पिंग ऑफ और अल्टरनेरिया, कोलेट्रोट्रिकम और सर्कोस्पोरा जैसे अन्य फंगल रोगों को नियंत्रित कर सकता है।

इनविक्टस ३:

यह एक स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस से समृद्ध एक मजबूत मिश्रण हैं, जिसमें प्रति ग्राम न्यूनतम १X१०^{6} कॉलोनी बनाने वाली इकाइयां (सीएफयू) होती हैं। यह विभिन्न प्रकार की कृषि चुनौतियों के विरुद्ध व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। इसकी शक्ति राइज़ोक्टोनिया सोलानी, फ्यूझारियम और पायथियम द्वारा प्रेरित जड़ सड़न के साथ-साथ एग्रोबैक्टीरियम और ज़ैंथोमोनास द्वारा प्रेरित पत्ती और डंठल सड़न से निपटने तक फैली हुई है। इनविक्टस ३ ज़ैंथोमोनास और इरविनिया के कारण होने वाले बैक्टीरियल लीफ स्पॉट, रॉट और बैक्टीरियल ड्राई रोट के प्रति सतर्क रहता है। यह गतिशील मिश्रण स्काइरोसिया, फाइटोफ्थेरा और वर्टिसिलियम जैसी मृदा जनित बीमारियों के प्रबंधन में भी अपनी प्रभावकारिता बनाए रखता है। इनविक्टस ३ कृषि और बागवानी दोनों फसलों में विभिन्न जीवाणु प्रतिकूलताओं के खिलाफ फसलों को मजबूत करने में मदद करता है।

- प्रति एकड़ १० किलोग्राम इन्विक्टस डालें।
- & बीज उपचार के लिए - प्रति किलोग्राम बीज में ४० ग्राम इनविक्टस को ५० मिलीलीटर पानी में मिलाएं। उपचारित बीजों को बोने से पहले ३० मिनट तक छाया में सूखने दें।

बुआई से पहले: लाभकारी सूक्ष्मजीवों के साथ मिट्टी को मजबूत करने के लिए बुआई से पहले ५० ग्राम इनविक्टस, १० किलो मवेशी खाद और १ किलो नीम के आटे का मिश्रण लगाएं, जो मजबूत पौधों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

सीडलिंग पौधों का उपचार: सीडलिंग पौधों के लिए १०० ग्राम इनविक्टस को २० लीटर पानी में मिलाकर घोल बनाएं। रोपण से पहले अंकुरीत पौधों की जड़ों को 30 मिनट के लिए घोल में डुबोएं।

मुख्य क्षेत्र अनुप्रयोग: १० किलोग्राम इनविक्टस को २०० किलोग्राम मवेशी खाद और २० किलोग्राम नीम के आटे के साथ मिलाएं। मिश्रण को बोरी से ढककर १५ दिन के लिए छाया में रख दें। इस दौरान रुक-रुक कर पानी का छिड़काव करें। तैयारी के बाद इस मिश्रण को एक एकड़ खेत में लगाएं।

NEMATOFF { नेमाटॉफ़ }

A Novel product for Nematode management

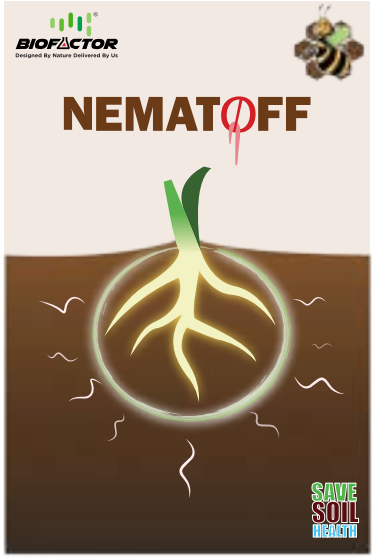

5 Ltr

नेमाटॉफ़, कृषि और बागवानी फसलों में नेमाटोड के प्रबंधन के लिए एक अभिनव समाधान हैं। नेमाटॉफ़ पोचोनिया क्लैमाइडोस्पोरिया और पेसिलोमाइसेस लिलासिनस सहित जीवित कवक से युक्त एक मिश्रण है, जो असाधारण प्रभावकारिता के साथ मिट्टी में पैदा होने वाले नेमाटोड से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार किया गया है।

जैविक नियंत्रण विधियों में सबसे आगे स्थित, नेमाटॉफ़, नेमाटोड प्रबंधन रणनीतियों में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य करता है। ये कवक शक्तिशाली परजीवी एजेंटों के रूप में कार्य करते हैं, जो फसलों की जीवन शक्ति की रक्षा के लिए नेमाटोड के अंडों को लक्षित और नष्ट करते हैं।

नेमाटॉफ़ टमाटर, मिर्च, बैंगन, नींबू, मटर और अमरूद की फसलों में प्रचलित नेमाटोड चुनौतियों का समाधान करने में विशेष रूप से सहायक साबित होता है। इसके प्रभाव को अनुकूलित करने के लिए नेमाटॉफ़ को पूरे कृषि परिदृश्य में रणनीतिक रूप से तैनात करें। नेमाटॉफ़, नेमाटोड से संबंधित मुद्दों के ख़िलाफ़ एक लचीली सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जिससे मजबूत और उच्च गुणवत्तावाली कृषि उपज को बढ़ावा मिलता है।

- ५ लीटर/एकड़।
- बुआई के समय फसल में ड्रिप सिंचाई के प्रारंभिक चरण के दौरान या ड्रॉप विधि के माध्यम से डालें। आगामी चरणों में आवश्यकतानुसार उपयोग करें।
- लघु एवं मध्यम अवधि की फसलों में एक बार प्रयोग करें। उद्यानीक फसलों के लिए, हर तीन महीने में एक बार प्रयोग करें।

native neem { नेटिव नीम }

A Novel Botanical Insecticide

500 m.l & 1 Ltr

नेटिव नीम:- यह एक नया एज़ाडिरेक्टिन १५०० पीपीएम या १०००० पीपीएम वाला वानस्पतिक कीटनाशक हैं। कृषि और बागवानी फसलों में अपेक्षित सभी प्रकार के रस-चूसने वाले कीड़ों जैसे सफेद मक्खी, हरी मक्खी, कैटरपिलर, लैम्प्रे, रेडफ्लाइज़, एफिड और कैटरपिलर के प्रारंभिक चरण को नियंत्रित करने में प्रभावी हैं।

एज़ाडिरेक्टिन रस-चूसने वाले कीड़ों (एंटी ओविपोज़िशन) के अंडे देने को बाधित करता है, जिससे संतान कम हो जाती है। जब एजाडिरेक्टिन का छिड़काव किया जाता है तो इसकी कड़वी गंध फसल पर नए कीड़ों के लिए एक एंटी-विकर्षक के रूप में काम करती है, और पत्तियों पर लार्वा को उनके बाद के चरणों (विकास-विरोधी विनियमन) में आगे बढ़ने से भी मार देती है। एज़ाडिरेक्टिन कीड़ों में पाचन तंत्र को बाधित करता है, जिससे वे पत्तियां खाने से मर जाते हैं। कृमियों में बाँझपन उत्पन्न करता है, जिससे संतान कम हो जाती है।

नेटिव नीम १५०० पीपीएम - एज़ाडिरेक्टिन १५०० पीपीएम के साथ वानस्पतिक कीटनाशक।

नेटिव नीम १०००० पीपीएम - एज़ाडिरेक्टिन १०००० पीपीएम के साथ वानस्पतिक कीटनाशक।

नोट: नेटिव नीम नारियल और ताड़ (ऑइल पाम) में होने वाली सफेद मक्खी की रोकथाम में उपयोगी है। मिर्च में ब्लैक थ्रिप्स की रोकथाम के लिए कीटनाशक के साथ नेटिव नीम का प्रयोग करना चाहिए।

- नेटिव नीम १५०० पीपीएम - ५ मिली/लीटर पानी और नेटिव नीम १०००० पीपीएम - १ मिली/लीटर पानी
- & फसल के पहले चरण में, रस-चूसने वाले कीड़ों या कैटरपिलरों की आशंका होते ही नेटिव नीम का छिड़काव करना चाहिए। फिर हर १५ से २० दिन में एक बार छिड़काव करें। प्रकोप अधिक होने पर नेटिव नीम १५०० पीपीएम या १०००० पीपीएम कीटनाशक का छिड़काव करें। इससे पुनः ऊष्मायन की इच्छा कम हो सकती है और पुनः ऊष्मायन का समय बढ़ सकता है।

कृषि फसलों में प्रति टन फसल उत्पादन में पौधों द्वारा ग्रहण किए जाने वाले पोषक तत्वों की मात्रा

Crop	N (kg/ton)	P (kg/ton)	K (kg/ton)	Ca (kg/ton)	Mg (kg/ton)	S (kg/ton)	B (kg/ton)	Fe (kg/ton)	Mn (kg/ton)	Zn (kg/ton)	Cu (kg/ton)
□□□□□□□	80-100	50-75	100-150	10-15	5-10	5-10	0.5-1	0.5-1	0.5-1	0.5-1	0.2-0.5
□□□□□	150	75	112	20	10	10	1	1	1	1	0.5
□□□□□□□	80-100	50-75	100-150	10-15	5-10	5-10	0.5-1	0.5-1	0.5-1	0.5-1	0.2-0.5
□□□□□□□	120	60	90	15	10	10	1	1	1	1	0.5
□□□□□□□	150-170	75-100	170-200	20-25	10-15	10-15	1-2	1-2	1-2	1-2	0.5-1
	100-120	60-75	120-150	15-20	10-15	10-15	1	1	1	1	0.5
□□□□□□□□	150-170	75-100	170-200	20-25	10-15	10-15	1-2	1-2	1-2	1-2	0.5-1

किसी फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्व फसल के प्रकार, बढ़ती परिस्थितियों और अन्य कारकों पर निर्भर करते हैं। अपने क्षेत्र के लिए विशिष्ट सिफारिशें प्राप्त करने के लिए स्थानीय कृषि विज्ञानी या फसल सलाहकार से परामर्श करना हमेशा एक अच्छा विचार है।

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

Biofac Inputs Private Limited
AGRI | AQUA | POULTRY | PET | RUMINANTS

9298 011 119
9133 737 737
admin@biofactor.in I biofactor.in

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

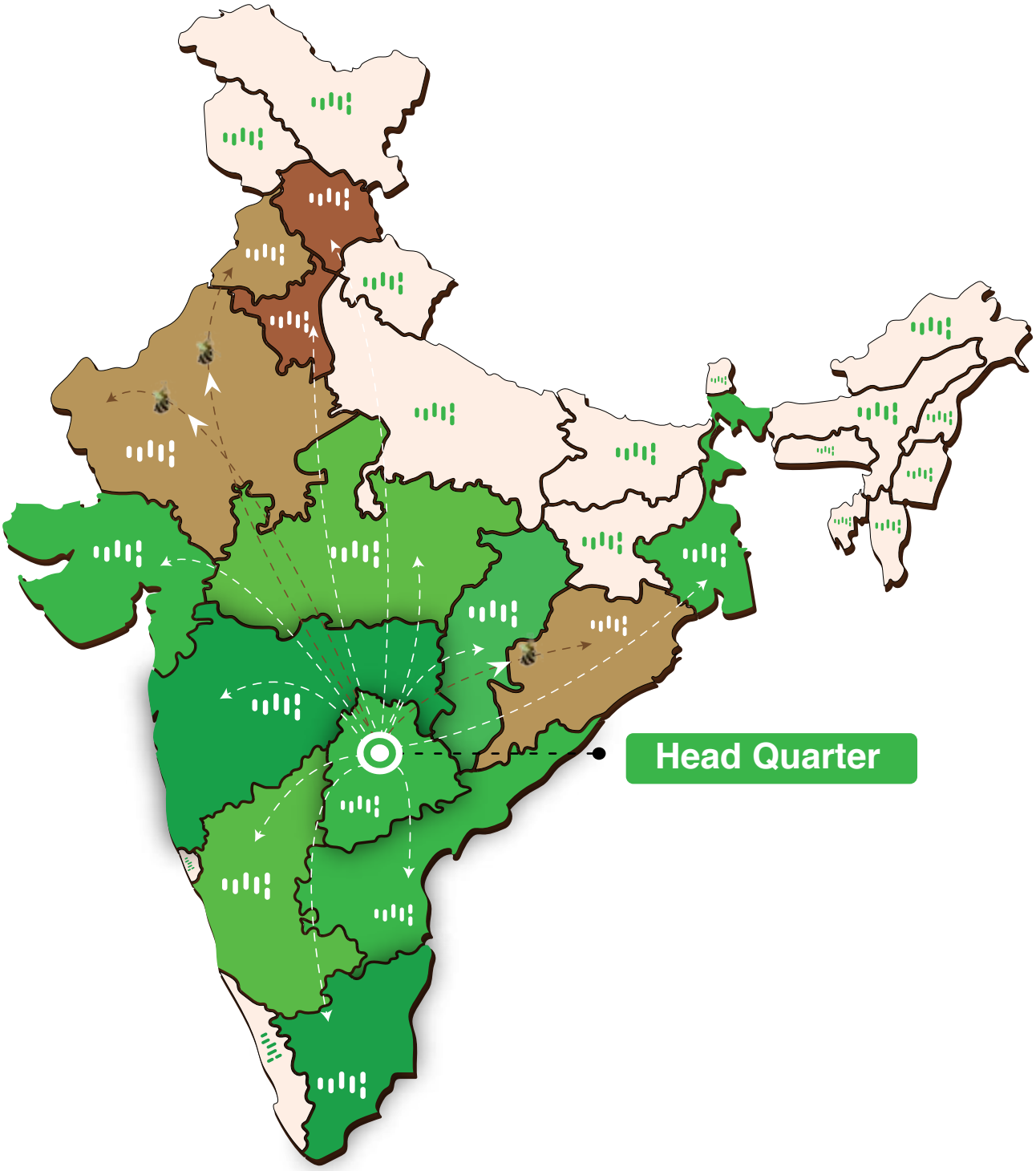

LIVE

ISO 9001:2015 | GMP | DSIR RECOGNIZED | IFOAM ACCREDITED IFOAM STANDARD | National Programme for organic Production

BIOFACTOR
Designed By Nature Delivered By Us

Biofac Inputs Private Limited
AGRI | AQUA | POULTRY | PET | RUMINANTS

9298 011 119
9133 737 737
admin@biofactor.in | biofactor.in